पुस्तकालय

3299
17/4/13

सत्यमेव जयते

असंशोधित

3 APR 2013

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग–2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

बि0स0मु0(एल0ए0वादवृत्त),184–डी0टी0पी0–1,500

प्रतिवेदन शाखा
पै०स०मे०सं०...1056...तिथि...17/5/13

क्रम सं०-७४ का पूरक

श्री तारकिशोर प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रस्ताव तो भारत सरकार को जाना है, इसलिए इसमें मुझे लगता है कि संकल्प वापसी का यह विषय नहीं है, यह तो सर्वसम्मति से संकल्प भारत सरकार को जाना चाहिए कि अतिशीघ्र इसपर पहल करे । क्योंकि एन०एच०आई०, केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय को इसका कार्यान्वयन करना है तो एक बार सदन की ओर से प्रस्ताव जाना चाहिए, उससे उसमें बल मिलेगा । अतः यह प्रस्ताव वापस लेने का यह विषय नहीं है ।

श्री नंद किशोर यादव, मंत्री : महोदय, माननीय सदस्य को शायद यह ध्यान में नहीं है, यह पुल अपने-आप नहीं बन रहा है, भारत सरकार अपने आप नहीं बना रही है । झारखंड में जब एन०डी०ए० की सरकार थी, उस सरकार ने इस बात के लिए पहल किया था और गंगा नदी पर मनिहारी एवं साहेबगंज के बीच में पुल का निर्माण का काम हो, फिर उनलोगों ने हमसे एन०ओ०सी० मांगा था, बिहार सरकार ने एन०ओ०सी० दिया है और एन०ओ०सी० के बाद जब आगे की प्रक्रिया बढ़ी है तो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशीप में इस पुल को बनाने का निर्णय हुआ और एन०एच०आई० ने कहा कि हम इसको बनायेंगे, हम ही निर्माण करेंगे। एन०एच०आई० डी०पी०आर० बना रहा है, डी०पी०आर० बनाकर आगे की कार्रवाई कर रहा है, तब फिर यहां से प्रस्ताव भेजने का क्या मतलब है ? दो राज्यों के बीच का मामला है और यह भारत सरकार के एन०एच०आई० काम कर रहा है तो इसमें हमको यहां से प्रस्ताव भेजने का कोई औचित्य नहीं है, इसलिए भारत सरकार के काम में हम सीधे प्रस्ताव भेजे, इसका कोई अर्थ नहीं होता है । यह ऑलरेडी काम होनेवाला है, इसलिए इसमें अनावश्यक विवाद खड़ा करने की क्या जरूरत है । कोई आवश्यकता नहीं है, इसलिए मैं माननीय सदस्य से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने प्रस्ताव को वापस ले लें ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी के वक्तव्य के आलोक में अपना संकल्प वापस लेता हूँ ।

उपाध्यक्ष : सदन की सहमति से माननीय सदस्य श्री तारकिशोर प्रसाद जी का प्रस्ताव वापस हुआ ।

क्रम सं०-७५, श्री शिवजी राय, स०वि०स०

श्री शिवजी राय : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि-

"यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि पूर्वी चम्पारण जिले के फेनहारा प्रखंडान्तर्गत मधुबन-फेनहारा भाया देवकुलिया-परसौनी पथ का जीर्णोद्धार करावे ।

डॉ० भीम सिंह, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि राज्य के ग्रामीण पथों की मरम्मति हेतु अनुरक्षण नीति तैयार की जा रही है, जिसके आलोक में अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी । अतः माननीय सदस्य से अनुरोध है कि वे अपना अभिस्ताव वापस लेने की कृपा करें ।

श्री शिवजी राय : उपाध्यक्ष महोदय, दो जिला को जोडनेवाली सड़क है और विगत २०-२५ वर्षों में इसकी हालत बहुत खसता है । मैं मंत्री महोदय से मिलकर पिछली बार भी इस संकल्प को रखे थे । हम चाहते हैं कि मंत्री महोदय जाकर खुद देख लें और इसके बाद

जैसी इनकी इच्छा हो । प्रस्ताव तो वापस लेना ही है ।

उपाध्यक्ष : प्रस्ताव वापस ले लीजिए, इससे कहां इन्कार है ।

श्री शिवजी राय : महोदय, २५ साल से सड़क नहीं बनी है । वापस तो लेना ही है, वापस तो ले ही रहा हूँ ।

उपाध्यक्ष : सदन की सहमति से माननीय सदस्य श्री शिवजी राय का प्रस्ताव वापस हुआ ।

क्रम सं०-७६, श्री पवन कुमार जायसवाल, स०वि०स०

श्री पवन कुमार जायसवाल : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि-

"यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि वह पूर्वी चम्पारण जिलांतर्गत छः पंचायतों को जोड़ने वाले भगवानपुर खैरवा से बखरी पथ में ध्वस्त पुल का निर्माण शीघ्र करावे ।"

डॉ० भीम सिंह, मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नागत पुल पूर्व से किसी योजना में स्वीकृत नहीं है । ध्वस्त पुल के स्थान पर २x६ मी० X २.५ मी० आर०सी०सी० पुल की आवश्यकता है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग रूपया ४५ लाख रूपया है । पुल का टेकनो फिजिबिलिटी रिपोर्ट की मांग की जा रही है ।

अतः माननीय सदस्य से अनुरोध है कि वे अपना अभिस्ताव वापस लेने की कृपा करें ।

श्री पवन कुमार जायसवाल : माननीय उपाध्यक्ष जी, ६ पंचायत के लोगों को इस पुल के अभाव में सात किलोमीटर का अतिरिक्त दूरी तय करके प्रखंड मुख्यालय जाना पड़ता है । मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि चूंकि हमलोगां के जाने का रास्ता है, दोनों तरफ के सड़क का निर्माण हो चुका है, केवल पुल के चलते सात किलोमीटर का अतिरिक्त दूरी लोगों को तय करना पड़ता है, इसलिए मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि इसी वित्तीय वर्ष २०१३-१४ में इस पुल का निर्माण करा दें । महोदय, माननीय मंत्री जी से आश्वासन चाहेंगे, महोदय, माननीय मंत्री जी कुछ बोलना चाहते हैं, यह ब्लौक से जुड़ा हुआ मामला है, हमलोगों के जाने का रास्ता है, काइंडली बोलने दिया जाय । माननीय मंत्री जी से आग्रह होगा कि इसको इस वित्तीय वर्ष में करा दें, दोनों तरफ से सड़क निर्माण हो गया है ।

डॉ० भीम सिंह, मंत्री : महोदय, मैंने तो इन्कार नहीं किया है, मैंने स्पष्ट वक्तव्य दिया है और माननीय सदस्य से सम्पर्क भी कर लेंगे, तत्काल इसे वापस लेने की कृपा करें ।

श्री पवन कुमार जायसवाल : महोदय, मैं वापस लेता हूँ ।

उपाध्यक्ष : सदन की सहमति से माननीय सदस्य श्री पवन कुमार जायसवाल का प्रस्ताव वापस हुआ ।

क्रम सं०-७७, श्री श्रवण कुमार, स०वि०स०

श्री श्रवण कुमार : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि-

"यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि वह अन्तर्राष्ट्रीय स्थल राजगीर, नालन्दा, पावापुरी में प्रतिदिन देशी एवं विदेशी पर्यटकों की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए पर्यटकों की सुविधा के लिए १००-१०० कमरों का पर्यटक होटल का निर्माण करावे ।"